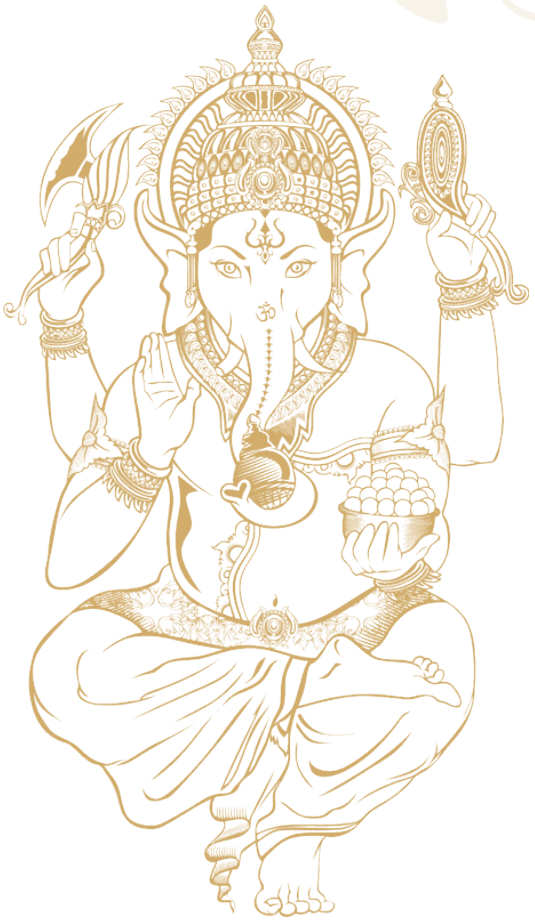

A

01 Mar 1971

01:00 PM

Moga

Model: web-freekundliweb

Order No: 121599616

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**01/03/1971**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**13:00:00 घंटे**
इष्ट	15:07:44 घटी
स्थान	**Moga**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	30:49:00 उत्तर
रेखांश	75:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:29:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:30:52 घंटे
वेलान्तर	-00:12:34 घंटे
साम्पातिक काल	23:04:41 घंटे
सूर्योदय	06:56:54 घंटे
सूर्यास्त	18:26:48 घंटे
दिनमान	11:29:54 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	16:36:35 कुम्भ
लग्न के अंश	07:36:28 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	ब्रह्म
करण	बालव
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ला-लाखन
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	07:36:28	329:09:00	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	---
सूर्य			कुंभ	16:36:35	01:00:15	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			मेष	11:07:36	14:24:33	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	सम राशि
मंगल			वृश्चि	29:45:33	00:36:52	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	स्वराशि
बुध		अ	कुंभ	11:53:19	01:49:06	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	सम राशि
गुरु			वृश्चि	12:14:31	00:04:02	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	मित्र राशि
शुक्र			मक	03:18:43	01:09:24	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	शनि	मित्र राशि
शनि			मेष	23:53:54	00:04:27	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	शनि	नीच राशि
राहु	व		कुंभ	00:05:10	00:01:55	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	00:05:10	00:01:55	मघा	1	10	सूर्य	केतु	केतु	शत्रु राशि
हर्ष	व		कन्या	19:20:31	00:02:02	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	---
नेप			वृश्चि	09:36:38	00:00:09	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
प्लूटो	व		कन्या	05:24:08	00:01:32	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	---
दशम भाव			कुंभ	21:31:25	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:27:26

लग्न-चलित

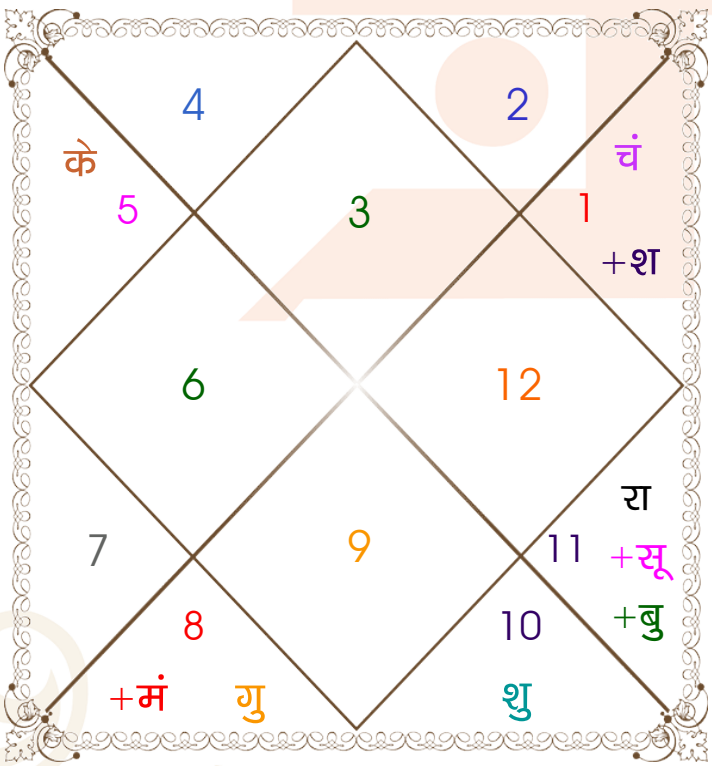

चन्द्र कुंडली

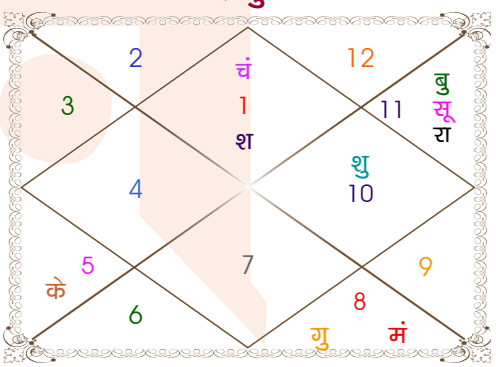

नवमांश कुंडली

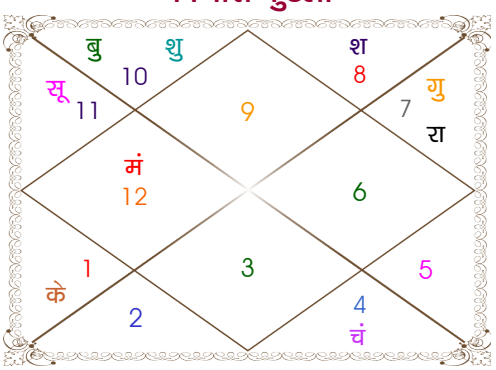

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 1 मास 27 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
01/03/1971		27/04/1972		27/04/1992		28/04/1998		27/04/2008	
27/04/1972		27/04/1992		28/04/1998		27/04/2008		28/04/2015	
	00/00/0000	शुक्र	28/08/1975	सूर्य	15/08/1992	चंद्र	26/02/1999	मंगल	23/09/2008
	00/00/0000	सूर्य	27/08/1976	चंद्र	13/02/1993	मंगल	27/09/1999	राहु	12/10/2009
	00/00/0000	चंद्र	28/04/1978	मंगल	21/06/1993	राहु	28/03/2001	गुरु	18/09/2010
	00/00/0000	मंगल	28/06/1979	राहु	16/05/1994	गुरु	28/07/2002	शनि	28/10/2011
	00/00/0000	राहु	28/06/1982	गुरु	04/03/1995	शनि	26/02/2004	बुध	24/10/2012
	00/00/0000	गुरु	26/02/1985	शनि	14/02/1996	बुध	28/07/2005	केतु	22/03/2013
	01/03/1971	शनि	27/04/1988	बुध	21/12/1996	केतु	26/02/2006	शुक्र	22/05/2014
शनि	01/05/1971	बुध	26/02/1991	केतु	27/04/1997	शुक्र	28/10/2007	सूर्य	27/09/2014
बुध	27/04/1972	केतु	27/04/1992	शुक्र	28/04/1998	सूर्य	27/04/2008	चंद्र	28/04/2015

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
28/04/2015		27/04/2033		27/04/2049		27/04/2068		27/04/2085	
27/04/2033		27/04/2049		27/04/2068		27/04/2085		00/00/0000	
राहु	08/01/2018	गुरु	16/06/2035	शनि	30/04/2052	बुध	24/09/2070	केतु	24/09/2085
गुरु	03/06/2020	शनि	27/12/2037	बुध	08/01/2055	केतु	21/09/2071	शुक्र	24/11/2086
शनि	10/04/2023	बुध	03/04/2040	केतु	17/02/2056	शुक्र	22/07/2074	सूर्य	01/04/2087
बुध	27/10/2025	केतु	10/03/2041	शुक्र	19/04/2059	सूर्य	28/05/2075	चंद्र	31/10/2087
केतु	15/11/2026	शुक्र	09/11/2043	सूर्य	31/03/2060	चंद्र	27/10/2076	मंगल	28/03/2088
शुक्र	14/11/2029	सूर्य	27/08/2044	चंद्र	30/10/2061	मंगल	24/10/2077	राहु	15/04/2089
सूर्य	09/10/2030	चंद्र	27/12/2045	मंगल	09/12/2062	राहु	12/05/2080	गुरु	22/03/2090
चंद्र	09/04/2032	मंगल	03/12/2046	राहु	15/10/2065	गुरु	18/08/2082	शनि	01/03/2091
मंगल	27/04/2033	राहु	27/04/2049	गुरु	27/04/2068	शनि	27/04/2085		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 2 मा 2 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ है। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ धनु का नवमांश एवं मिथुन राशि का ही द्रेष्काण भी उदित हो रहा था। मिथुन लग्न की आकृति के फलस्वरूप यह प्रभाव स्पष्ट है कि आपका जीवन पूर्ण रूपेण उत्थान-पतन से युक्त तथा बार-बार उत्थान पतन का कारक भी है। यदि आप सतर्क नही रहे तो सदैव ही उच्चता एवं नीचता का वातावरण बनता रहेगा तथा आपको अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा करने के लिए तथा विपत्ति अर्थात् दीनता से संघर्ष करने की सभी संभावनाएं क्षीण हो जाएगी। आपको अपने प्रारंभिक जीवन की शुरूआत के साथ ही सतर्कता पूर्वक संबंधित व्यवधानों की रोकथाम की प्रक्रिया भी प्रारंभ करना होगा। लग्न नवमांश के प्रभाव से आपके जीवन में उत्तमता हेतु आशा किरण का उदय आपकी आयु के पचीसवें वर्ष में दृष्टिगत होता है। आप अपनी हठधर्मिता को त्याग कर धैर्य पूर्वक समय की प्रतीक्षा करें। वास्तव में व्यक्तिगत रूप से आपकी कुशाग्रता और आपको अपने आत्मज्ञान के माध्यम से जीवन की दूरी तय करनी चाहिए। यदि आप अपने किसी भी एक चयनित रास्ते पर साहस और एकाग्रता पूर्वक चलते रहे तों सर्वोच्च पद पर पहुंचेगे। आपके लिए पत्रकारिता, लेखन कला, साथ ही कलात्मक कार्य व्यवसाय से आप लाभ प्राप्त करेंगे।

परंतु आपकी ऐसी आदत है कि आप अनिश्चित बाधाओं के प्रति बहुधा सशंकित रहते हैं तथा प्रायः अनिश्चित स्थिति में अर्थात् दुविधापूर्ण वातावरण से आप घिर जाते हैं। आप एक लुढकते हुए पत्थर के समान अपना आचरण रख कर, निश्चित लाभांश प्राप्त करने में असफल रह जाते हैं। आपकी अनुदारता के कारण आपकी चाह रहती है कि संक्षिप्त प्रकार से निर्दिष्ट विषय पर पॉलिस करके मानक विधान को स्वीकार कर, विजय श्री प्राप्त करें।

आप भाग्य की कृपा से किसी एक कार्य को संपादित कर अन्य कार्य का उत्तरदायित्व ग्रहण कर सकते हैं। परंतु आप में एकाग्रता का अभाव विद्यमान है। दिक्कत यह है कि आप इस अभाव को केंद्रीकरण करने के पश्चात् ही किसी भी उत्तरदायीत्व को ग्रहण कर बिना कार्य पूर्ण किए ही अन्य कार्यों को संपादन करने का अवसर अपने हाथ में ले लेते हैं।

अति महत्वाकांक्षा के प्रभाव से आप ऐसा कार्य संचालित कर लेते हैं। क्योंकि आप चमत्कारिक ढंग से धन प्राप्त कर धनी बन जाना चाहते हैं। आपको अपनी आय बढ़ाने की पवृत्ति ऐसी है कि आप यदा-कदा एक ही साथ दो स्थानों पर एक ही समय कोई कार्य प्रारंभ कर, लाभ उपार्जित करने का प्रयास करते हैं। परंतु यह आकस्मिक स्थिति मात्र कुछ समय तक ही प्रभावित रहती है।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप जन सामान्य के साथ तथा इनके द्वारा लोकप्रियता प्राप्त करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाते। आपको एकाग्रतापूर्वक अपने मित्र मंडली में बदलाव लाना होगा। ये लोग आपको सामान्य तरंगित भावनाओं को समझ पाना दुष्कर समझते हैं। अर्थात आप कैसे व्यक्ति हो उनके लिए समझ पाना उतना आसान नही हैं। आप में यह रहस्यमयी शक्ति विद्यमान है कि आप अन्य

किसी की भावनाओं को पूर्ण रूपेण समझ लेते हैं, तथा उसके बाद अपने ढंग से उसको प्रदर्शित करते हैं। आपका स्वभाव निःसंदेह ऐसा है कि आप आश्चर्यजनक प्रभाव से दूसरों को प्रभावित करते हैं। परंतु आप वातावरण को अनुकूल बनाने में अक्षम रहते हैं।

आपको जब कोई भी जीवन की उन्नति के अन्य मार्ग दृष्टिगत नही होते तब आप अपनी क्षमता के अनुरूप अपने धन को लाभजनक कार्य में लगा देते हैं। निम्नांकित बिन्दुओं पर विधानतः तदनुसार आचरण करना चाहिए जो कि आपकी लापरवाही के विरुद्ध जीवन के महत्वपूर्ण सांकेतिक शब्द हैं।

आपके जीवन के लिए महत्वपूर्ण रंग पीला, हरा, ब्लू एवं मोतिया एवं गुलाबी रंग हैं। परंतु हर दशा में रंग काला एवं लाल सर्वथा त्याज्य है।

इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं 8 अंक का व्यवहार सर्वथा प्रतिकूल है। जबकि अंक 7 एवं 3 अंक आपके लिए वास्तव में अनुकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।